रिपोर्ट

07 मई, 2021

शिक्षा से हो स्वतंत्र चिंतन का विकास : डा लोढ़ा(टैगोर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन)

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय द्वारा आभासी माध्यम से गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टैगोर का शैक्षिक दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया ।मुख्य वक्ता डॉ जितेन्द्र कुमार लोढ़ा व्याख्याता आर एल सहरिया महाविद्यालय कालाडेरा जयपुर ने गुरुदेव टैगोर के जन्म से लेकर जीवन पर्यंत की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे बाल्यकाल से ही प्रकृति प्रेमी ,दूरदर्शी ,भारतीय संस्कृति के पोषक ,ग्रामीण जीवन ,जनकल्याण एवं आध्यात्मिक सोच के थे ।शिक्षा दीक्षा उन्हें उच्च कोटि की प्राप्त हुई थी । वह कला मर्मज्ञ ,साहित्यकार ,संगीतकार „चित्रकार ,कवि एवं चिंतक थे । शिक्षा के लिए उन्होंने चार स्तंभ दिए ज्ञान विद्यालय से बाहर हो चारदीवारी तक सीमित न रहे ,प्राकृतिक वातावरण से सीखे ,पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहे और मानव केंद्रित पाठ्यक्रम हो। बालक का चहुंमुखी एवं सर्वांगीण विकास सृजन एवं परिमार्जन से होगा ।पूर्ण मानव का विकास ही शिक्षा का उद्देश्य है उनके शैक्षिक चिंतन में करुणा संवेदना और समन्वय वाद की झलक मिलती है मातृभाषा में शिक्षा ,स्वतंत्र चिंतन का विकास ,प्रत्यक्ष स्रोत, अनुभव एवं प्राकृतिक शिक्षा पर बल दिया ।शिक्षा में योगदान के संदर्भ में बताया कि वैश्विक शिक्षा ,भारतीय धर्म दर्शन एवं सांस्कृतिक संरक्षण के लिए शिक्षा मानवीय आचरण प्राकृतिक सौंदर्य आध्यात्मिक और स्वतंत्र चिंतन के साथ निजी चिंतन एवं दर्शन को प्राथमिकता दी ।नकल का विरोध किया अध्यापक को यंत्र नहीं मानव होना चाहिए । विद्यार्थी भी एक सम्माननीय इकाई है ।उन्होंने बताया की रविंद्र नाथ टैगोर ने अनेक गीत कविताएं और साहित्य का सृजन किया गीतांजलि उनकी सर्वश्रेष्ठ कृति थी जिसे नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था एक ही नहीं उनके रचित गीत जो हैं वह 2 देशों में राष्ट्रगान के रूप में सभी के द्वारा गाए जाते हैं ।अंत में उन्होंने कहा कि टैगोर ने लिखा है कि मेरे सर्वोत्तम गीत व शिक्षा मेरे अंतर्मन में रह गई है ।

अतिथि परिचय एवं स्वागत उद्बबोधन प्रोफ़ेसर मनीषा वर्मा अधिष्ठाता शिक्षा संकाय ने दिया, धन्यवाद एवं आभार डॉ आनंद श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष शिक्षा द्वारा एवं तकनीकी सहयोग डॉ नरेंद्र भट्ट प्रवक्ता शिक्षा संकाय के द्वारा किया गया। शिक्षा संकाय के सभी स्टाफ सदस्यों एवं 100 प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता रही। संचालन डॉक्टर कंचन शर्मा प्रभारी शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

Zoom Meeting 40-Minutes
Dr. Narendra...
Dr. Puraram ...
Dr. DINESH ...
Ishak shah
Jyoti Pareek roll...
Dr. Jitendra ...
Unpin Video
Recording...
Dr. Manisha Verma
Unmute
Start Video
Security
Participants
75
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
End
Participants (75)
Find a participant
Dr. Manisha Verma
#20. Mukesh Chandora BSc. BEd.
22/Kanak lata Purohit
Aarti Kaswan(01)
alpna sharma
ANAND SRIVASTAVA
Avinash Pareek
Bajrang lal jakhar roll no 01
Bajrang lal Katariya roll no 3
Deepak Sankhla :6(B.Sc B.Ed)
Dharmendra Pachar (19)
Dr Pramod Kumar Pandia
Dr Rajkumar Mali
Dr. DINESH CHANDRA MAURYA
Dr. Jitendra Kumar Lodha
yes
no
go slower
go faster
more
clear all
Invite
Mute All
Network 2
Internet access

Zoom Meeting 40-Minutes
Dr. Narendra...
Dr. Jitendra Ku...
Dr. Manisha ...
Rajendra Kumar
Laxita Kanwa...
ANAND SRIV...
Recording...
DR.KANCHAN SHARMA
Participants (57)
Find a participant
DR.KANCHAN SHARMA
Dr. Jitendra Kumar Lodha
Dr. Puraram Meghwal
#20. Mukesh Chandora BSc. BEd.
22/Kanak lata Purohit
Aarti Kaswan(01)
alpna sharma
ANAND SRIVASTAVA
Avinash Pareek
Bajrang lal jakhar roll no 01
Bajrang lal Katariya roll no 3
Deepak Sankhla roll no 6
Dharmendra Pachar (19)
Dr Pramod Kumar Pandia
Dr Rajkumar Mali
yes
no
go slower
go faster
more
clear all
Unmute
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
End
Invite
Mute All
Network 2
Internet access

Zoom Meeting 40-Minutes
Dr. Narendra...
Dr. Manisha Ver...
DR.KANCHA...
Dr Pramod Kum...
Vinod kumari ro...
Sita Sharma (Se...
Cancel the Spotlight Video
Recording...
Remaining Meeting Time: 06:39 | Upgrade to Pro
Snipping Tool
New
Cancel
Options
Select a snip type from the menu or click the New button.
Dr. Jitendra Kumar Lodha
Participants (100)
Find a participant
Dharmendra Pachar (19)
Dr Pramod Kumar Pandia
Dr Priya Paijwar
Dr Rajkumar Mali
Dr Ranjeeta Baid
Dr. Ajay Krishan Tiwari
Dr. DINESH CHANDRA MAURYA
Dr. Manisha Verma
Dr. Puraram Meghwal
Dr. Ramawatar Godara
Dr. Satya Prakash Tiwari
Dr. Uma Saini
Dr. Vikas Saini
DR.KANCHAN SHARMA
GAJANAND GODARA Bikaner
yes
no
go slower
go faster
more
clear all
Unmute
Start Video
Security
100
Participants
13
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
End
Invite
Mute All
Network 2
Internet access

गुरुदेव टैगोर कला मर्मज्ञ

सरदारशहर. उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर के शिक्षा संकाय की ओर से आभासी माध्यम से गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टैगोर का शैक्षिक दृष्टिकोण विषय पर व्या यान माला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता आरएल सहरिया महाविद्यालय कालाडेरा जयपुर के व्याख्याता डा.जितेन्द्र कुमार लोढ़ा ने कहा कि गुरुदेव टैगोर कला मर्मज्ञ, साहित्यकार, संगीतकार, चित्रकार, कवि एवं चिंतक थे। उन्होंने बताया की रविंद्र नाथ टैगोर ने अनेक गीत कविताएं और साहित्य का सृजन किया, गीतांजलि उनकी सर्वश्रेष्ठ कृति थी। जिसे नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था। अतिथि परिचय प्रोफ़ेसर मनीषा वर्मा ने दिया। विभागाध्यक्ष डा.आनंद श्रीवास्तव ने आभार जताया। तकनीकी सहयोग प्रवक्ता डा.नरेंद्र भट्ट ने किया। संचालन शिक्षा विभाग प्रभारी डा.कंचन शर्मा ने किया।

शिक्षा से हो स्वतंत्र चिंतन का विकास : डॉ. जितेन्द्र कुमार लोढा

सरदारशहर, (निसं)। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय द्वारा आभासी माध्यम से गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टैगोर का शैक्षिक दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ जितेन्द्र कुमार लोढा व्याख्याता आर एल सहरिया महाविद्यालय कालाडेरा जयपुर ने गुरुदेव टैगोर के जन्म से लेकर जीवन पर्यंत की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे बाल्यकाल से ही प्रकृति प्रेमी ,दूरदर्शी ,भारतीय संस्कृति के पोषक ,ग्रामीण जीवन ,जनकल्याण एवं आध्यात्मिक सोच के थे। शिक्षा दीक्षा उन्हें उच्च कोटि की प्राप्त हुई थी। वह कला मर्मज्ञ, साहित्यकार, संगीतकार, चित्रकार, कवि एवं चिंतक थे। शिक्षा के लिए उन्होंने चार स्तंभ दिए ज्ञान विद्यालय से बाहर हो चारदीवारी तक सीमित न रहे, प्राकृतिक वातावरण से सीखे, पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहे और मानव केंद्रित पाठ्यक्रम हो।

बालक का चहुंमुखी एवं सर्वांगीण विकास सृजन एवं परिमार्जन से होगा। पूर्ण मानव का विकास ही शिक्षा का उद्देश्य है उनके शैक्षिक चिंतन में करुणा संवेदना और समन्वय वाद की झलक मिलती है मातृभाषा में शिक्षा, स्वतंत्र चिंतन का विकास, प्रत्यक्ष स्रोत, अनुभव एवं प्राकृतिक शिक्षा पर बल दिया। शिक्षा में योगदान के संदर्भ में बताया कि वैश्विक शिक्षा ,भारतीय धर्म दर्शन एवं सांस्कृतिक संरक्षण के लिए शिक्षा मानवीय आचरण प्राकृतिक सौंदर्य आध्यात्मिक और स्वतंत्र चिंतन के साथ निजी चिंतन एवं दर्शन को प्राथमिकता दी। विद्यार्थी भी एक सम्माननीय इकाई है ।उन्होंने बताया की रविंद्र नाथ टैगोर ने अनेक गीत कविताएं और साहित्य का सृजन किया गीतांजलि उनकी सर्वश्रेष्ठ कृति थी जिसे नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था एक ही नहीं उनके रचित गीत जो है वह 2 देशों में राष्ट्र गान के रूप में सभी के द्वारा गाए जाते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि टैगोर ने लिखा है कि मेरे सर्वोत्तम गीत व शिक्षा मेरे अंतर्मन में रह गई है। अतिथि परिचय एवं स्वागत उद्बोधन प्रोफेसर मनीषा वर्मा अधिष्ठाता शिक्षा संकाय ने दिया, धन्यवाद एवं आभार डॉ आनंद श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष शिक्षा द्वारा एवं तकनीकी सहयोग डॉ नरेंद्र भट्ट प्रवक्ता शिक्षा संकाय के द्वारा किया। शिक्षा संकाय के सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता रही।

टैगोर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य व्यक्ता डॉ. जितेन्द्र लोढा ने विचार व्यक्त किए।

■ टैगोर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय),
गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर

शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित आनलाईन व्याख्यानमाला

टैगोर का शैक्षिक दृष्टिकोण

मुख्य वक्ता– डा. जितेन्द्र लोढ़ा,
व्याख्याता, राजकीय सहरिया महाविद्यालय,
कालाडेरा, जयपुर

समय प्रातः 11:00 बजे **दिनांक :– 07.05.2021**

समन्वयक – प्रो. मनीषा वर्मा, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर